

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान : क्लासरूम से जापान तक पहुंचा भोपाल की शिक्षिका का प्रयोग

5 हजार पेड़ों पर व्यूआर कोड

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल की शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2026 के लिए चुना गया है। वे वर्ष 2010 से शासकीय सेवा में हैं। करीब 16 वर्षों के शिक्षण सफर में उन्होंने परियोजना आधारित शिक्षण के जरिए विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण, तकनीक और शोध से जोड़ा। उनके कई प्रोजेक्ट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किए जा चुके हैं। भोपाल की शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2026 के लिए चुना गया है। मध्यप्रदेश से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए दो शिक्षकों का चयन हुआ है। इनमें

सीधी के शिक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह और भोपाल की शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला शामिल हैं। डॉ. शुक्ला पिछले करीब 16 वर्षों से शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ा रही हैं और विज्ञान शिक्षण को पारंपरिक तरीके से अलग बनाकर प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पर काम कर रही हैं। डॉ. शुक्ला का कहना है कि शासकीय स्कूलों में उनके कई विद्यार्थी आर्थिक रूप से भले ही संपन्न न हों, लेकिन उनमें प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं होती। जरूरत सिर्फ उन्हें सही अवसर और सहयोग देने की है। इसी सोच के साथ उन्होंने विज्ञान की पढ़ाई में बच्चों को केवल परिभाषाएं याद कराने के

बजाय वास्तविक समस्याओं पर काम करने के लिए प्रेरित किया।

गौरैया संरक्षण से शुरू हुआ अनूठा प्रयोग

परियोजना आधारित शिक्षण के तहत विद्यार्थियों ने गौरैया संरक्षण पर काम किया। बच्चों ने शोध पत्रों के जरिए यह समझने की कोशिश की कि गौरैया की संख्या क्यों कम हो रही है। इसके बाद विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक तरीके से नेस्ट बॉक्स तैयार किए। डॉ. शुक्ला के अनुसार, उनके विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए नेस्ट बॉक्स भारत में बच्चों द्वारा तैयार किए गए शुरुआती प्रयोगों में



शामिल रहे और कक्षा 11वीं जीव विज्ञान के विद्यार्थियों ने इस विषय पर शोध पत्र भी प्रकाशित किया। इसके बाद बीज संरक्षण के लिए

सेवा सीड परियोजना शुरू की गई। विद्यालय में कुड़ेदान के साथ बीज रखने के लिए अलग डिब्बे भी रखे जाते हैं। उनका मानना है कि

बीज कचरा नहीं, बल्कि भविष्य की जैव विविधता का आधार है।

5 हजार से ज्यादा पेड़ों पर क्यूआर कोड

विद्यार्थियों को प्रकृति और तकनीक से जोड़ने के लिए पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाने की परियोजना भी शुरू की गई। अब तक मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों में लगभग 5 हजार पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाए जा चुके हैं। इस परियोजना के दौरान एक विद्यार्थी में तकनीक को लेकर ऐसी रुचि विकसित हुई कि उसने आगे चलकर आईआईटी रुड़की में प्रवेश लिया। डॉ. शुक्ला के विद्यार्थियों में कई एमबीबीएस,

बीएससी नर्सिंग, फॉरेंसिक विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि छोटी उम्र में बच्चों को प्रयोग और शोध का अवसर देने से उनके भीतर आत्मविश्वास और नई चीजें सीखने की जिज्ञासा विकसित होती है।

पौधों से बातचीत पर जापान तक पहुंचा प्रोजेक्ट

कक्षा में पढ़ाते समय जब उन्होंने बच्चों से कहा कि पेड़ हमारी भावनाओं को समझ सकते हैं, तो विद्यार्थियों ने इसे प्रयोग के जरिए जांचने की इच्छा जताई। इसके बाद प्लांट

इमोजिन’ परियोजना शुरू की गई। इसमें बच्चे पौधों से बातचीत करते हैं और उनकी वृद्धि में होने वाले अंतर का अध्ययन करते हैं। इस परियोजना को उनके एक विद्यार्थी ने जापान में प्रस्तुत किया। इसी तरह रोजमर्रा की समस्या का समाधान तलाशते हुए विद्यार्थियों ने एक ऐसा क्यूआर कोड तैयार किया, जिसमें प्रमाण पत्र और तस्वीरें सुरक्षित रखी जा सकती हैं। यह क्यूआर कोड पासवर्ड से सुरक्षित है। डॉ. शुक्ला के अनुसार, जून में उन्होंने इस परियोजना को 42 देशों के सामने भी प्रस्तुत किया।

न्यूज गैलरी

सीनियर–जूनियर अधिकारियों में झड़प : बैठक में भड़के एचओ



गाड़ी से इस्तीफा निकालकर बोले-इसे हमेशा साथ रखता हूँ

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल नगर निगम मुख्यालय में शनिवार को काम को लेकर स्वास्थ्य विभाग के दो अधिकारियों के बीच विवाद हो गया। नरेला क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी सुमंदर शर्मा और जौन-19 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बलवीर मलिक के बीच बैठक के बाद तीखी बहस हुई। नाराज मलिक अपनी सरकारी जीप तक पहुंचे और इस्तीफा दिखाते हुए कहा कि इसे वह हमेशा अपने साथ रखते हैं। भोपाल नगर निगम मुख्यालय में शनिवार को अधिकारियों के बीच विवाद का मामला सामने आया। लिंक रोड नंबर-2 स्थित निगम कार्यालय परिसर में नरेला विधानसभा के स्वास्थ्य अधिकारी सुमंदर शर्मा और जौन-19 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बलवीर मलिक के बीच काम को लेकर कहासुनी हो गई। दरअसल अगर आयुक्त अंजू कुमार ने शनिवार को निगम के दफ्ताओं की बैठक ली थी। बैठक खत्म होने के बाद दोनों अधिकारियों के बीच किसी काम को लेकर बातचीत शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। दोनों अधिकारी एक ही जौन में पदस्थ हैं। सुमंदर शर्मा वरिष्ठ अधिकारी हैं, जबकि बलवीर मलिक सहायक स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर हैं।

गुस्से में गाड़ी तक पहुंचे, इस्तीफा निकालकर दिखाया विवाद बढ़ने पर बलवीर मलिक काफी नाराज हो गए। वह अपनी सरकारी जीप के पास पहुंचे और वहां से इस्तीफा निकालकर दिखाया। उन्होंने कहा कि वह इस्तीफा हमेशा अपने साथ रखते हैं। मलिक का कहना था कि उन्हें लगातार अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह गलत हैं तो मंत्री की बात भी नहीं मानते। विवाद के बीच उनके साथियों ने उन्हें समझाया, जिसके बाद स्थिति शांत हुई।

बैठक में मेरे साथ बदतमीजी की गई

बलवीर मलिक ने कहा कि बैठक के दौरान उनके साथ बदतमीजी की गई। उनका दावा है कि वह इस तरह की बातें कई बार सुन चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह करीब 30 साल से नौकरी कर रहे हैं और जौनल अधिकारी की जिम्मेदारी भी संपाल चुके हैं। मलिक ने कहा कि गुस्से में उन्होंने इस्तीफे की बात कही। उनका कहना था कि वह अपने काम को लेकर समझौता नहीं करते और गलत बात होने पर किसी का दबाव स्वीकार नहीं करते।

विवाद के दौरान जूता निकालने की कोशिश

बहस के दौरान मलिक ने गुस्से में जूता निकालने की कोशिश भी की। हालांकि, वहां मौजूद दूसरे सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद मलिक अपनी जीप की ओर चले गए और इस्तीफा निकालकर दिखाया।

सिर्फ स्यांट फाइन को लेकर थी बात

वहीं स्वास्थ्य अधिकारी सुमंदर शर्मा ने विवाद को लेकर कहा कि बैठक में नरेला विधानसभा क्षेत्र में स्यांट फाइन की कार्रवाई को लेकर चर्चा की जा रही थी। उनका कहना है कि बैठक में केवल क्षेत्र में स्यांट फाइन करने की बात कही गई थी, लेकिन इसी दौरान बलवीर मलिक नाराज हो गए और विवाद की स्थिति बन गई। नगर निगम कार्यालय में हुए इस विवाद ने अधिकारियों के बीच समन्वय और कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

भोपाल में बाइक टैक्सी पर नहीं लगेगा ब्रेक, प्राइवेट नंबर वाली बाइक पर होगी कार्रवाई

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में ओला और रैपिडो की बाइक टैक्सी सेवा पर पूरी तरह रोक नहीं लगेगी, लेकिन निजी नंबर की बाइक से सवारी देने वालों पर परिवहन विभाग कार्रवाई करेगा। टैक्सी यूनियनों के मुताबिक शहर में करीब 5 हजार बाइक टैक्सी चल रही हैं, ऐसे में कार्रवाई होने पर राइड की उपलब्धता घट सकती है। भोपाल में ओला और रैपिडो की बाइक टैक्सी सेवा पूरी तरह बंद होने वाली नहीं है। परिवहन विभाग ने साफ किया है कि कमर्शियल नंबर और व्यावसायिक इस्तेमाल में लिए जा रहे हैं। टैक्सी यूनियनों का दावा है कि भोपाल में ओला और रैपिडो जैसे प्लेटफॉर्म पर करीब 5 हजार से ज्यादा बाइक टैक्सी के तौर पर चल रही हैं। इनमें बड़ी संख्या निजी नंबर वाली बाइक की बताई जा रही है। दूसरी ओर परिवहन विभाग के अनुसार शहर में बाइक भी कमर्शियल नंबर पर पंजीकृत हैं।

मास्टर ट्रेनर्स तैयार कर प्रदेश की जेलों में विकसित किया जाएगा साइको-सोशल काउंसलिंग का सुदृढ़ तंत्र

कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंद्रली फंडेड इंस्टीट्यूशनस फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश @2047 पर राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव 24 अगस्त को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (AIGGPA) द्वारा कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंद्रली फंडेड इंस्टीट्यूशनस फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश @2047 विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन 24 अगस्त 2026 को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में किया जाएगा। कॉन्क्लेव की थीम वन इंस्टीट्यूट वन प्रॉमिस रखी गई है। कॉन्क्लेव का शुभारंभ 24 अगस्त को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 पर मुख्य वक्तव्य देंगे। सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित विशेष संबोधन देंगे, जबकि मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा द्वारा कॉन्क्लेव की पृष्ठभूमि एवं संदर्भ प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरे सत्र में इन्क्लूसिव ईकोनॉमिक ग्रोथ एण्ड सोसल इंफावरमेंट फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश @2047 विषय पर चर्चा एवं आगे की कार्य योजना पर व्यापक विमर्श किया जाएगा। इस चर्चा में उपस्थित केन्द्रीय



संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं शासन के अधिकारी भाग लेंगे।

वन इंस्टीट्यूट-वन प्रॉमिस

इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य मध्यप्रदेश की विकास प्राथमिकताओं को प्रदेश के अग्रणी केन्द्रीय संस्थानों की शोध एवं नवाचार क्षमता, तकनीकी विशेषज्ञता, आधुनिक अधोसंरचना, एवं मानव संसाधन से जोड़ते हुए भविष्य के लिए संस्थागत साझेदारी का प्रभावी मंच तैयार करना है। इसके माध्यम से केन्द्रीय संस्थानों की विशेषज्ञता को राज्य की वर्तमान विकास चुनौतियों एवं विकास अवधारणा से जोड़कर समाधान विकसित करने पर बल दिया जाएगा। इस कॉन्क्लेव में प्रदेश में स्थित

आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर, आईआईएसईआर भोपाल, एमएएनआईटी भोपाल, एम्स भोपाल, आईआईआईटीएस, एनएफएसयू भोपाल, आरआरएसीएटी इंदौर, डीआरडीओ, आईएसआरओ, राष्ट्रीय एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित कृषि, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, रक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण, कौशल विकास और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इन केन्द्रीय संस्थानों से बेहतर समन्वय के उद्देश्य से राज्य के प्रमुख संस्थानों को भी कॉन्क्लेव में आमंत्रित किया गया है। मुख्य रूप से राज्य में स्थित 59 केन्द्रीय संस्थानों, 26 राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों, 11 राज्य स्तरीय शासकीय इंजीनियरिंग एवं 19

नियामक आयोग का चेयरमैन चुनने तीन सदस्यीय कमेटी बनी

रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी तैयार करेगी पैनल, सीएस भी रहेंगे मेंबर

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश में विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन के चयन के लिए रिटायर्ड न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। ऊर्जा विभाग की इस कमेटी में मुख्य सचिव और केद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष को सदस्य बनाया है। इस एट के लिए 19 जून तक आवेदन बुलाए गए हैं। इसके बाद अब इस मामले में आगे की कार्यवाही शुरू की है। बता दें, यह एट करीब पौने दो साल से रिक है। चयन समिति में उच्च न्यायालय मध्य

प्रदेश के रिटायर्ड न्यायाधीश रूपेश चंद्र वार्ष्णेय अध्यक्ष, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल सदस्य होंगे। इसके अलावा अध्यक्ष, केद्रीय विद्युत प्राधिकरण भी समिति के सदस्य बनाए गए हैं। ऊर्जा विभाग ने इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब समिति के सदस्यों द्वारा बुलाए गए आवेदनों में से उचित नाम का पैनल तैयार कर राज्य शासन को सौंपा जाएगा। इसके पहले विद्युत नियामक आयोग के नियमित चेयरमैन के पद पर पदस्थ रहे रिटायर्ड आईएएस एनपीएस परिहार का कार्यकाल 2 जनवरी 2025 को खाल हो गया था। इसके बाद 3 जनवरी 2025 से यह पद रिक्त हो गया है।

जेन-जी को साधने भाजपा, सरकार और संघ की नई रणनीति, स्कूल-कॉलेज से सोशल मीडिया तक बढ़ेगा संवाद

भोपाल/नवप्रदेश।

मध्य प्रदेश में 18 से 29 साल के 1.40 करोड़ से ज्यादा युवा वोटों को देखते हुए भाजपा, सरकार और आरएसएस ने नई पीढ़ी से संवाद बढ़ाने की तैयारी तेज कर दी है। स्कूल-कॉलेज और छात्रावासों से लेकर सोशल मीडिया तक युवाओं से जुड़ने की रणनीति बनाई जा रही है, ताकि आगामी चुनावों से पहले युवा वोटों के बीच पकड़ मजबूत की जा सके। मध्य प्रदेश में युवा वोटों, खासकर जेन-जी और



जेन-अल्फा तक पहुंच बनाने के लिए भाजपा, सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी गतिविधियां बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। युवाओं से सीधे संवाद के साथ सोशल मीडिया पर प्रभाव

रखने वाले युवाओं और इन्फ्लुएंसर्स से संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। युवा पीढ़ी के बदलते रूझान और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए राजनीतिक संगठन अब पारंपरिक बैठकों के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म को भी अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना रहे हैं। इसका मकसद युवाओं की समस्याओं, उनकी पसंद और भविष्य से जुड़ी अपेक्षाओं को समझना भी है। बता दें मध्य प्रदेश में 1.40 करोड़ से ज्यादा 18 से 29 साल के

वोटर्स हैं। यह वोटर्स आगामी नगरीय निकाय, पंचायत और विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे। इसको लेकर ही राजनीति पार्टियों ने युवाओं को साधने पर अपना फोकस बढ़ा दिया है। भाजपा संगठन ने युवाओं से संपर्क बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने युवा मोर्चों को दी है। इसके तहत स्कूल, कॉलेज और छात्रावासों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री, सांसद और विधायक भी शैक्षणिक संस्थानों में जाकर युवाओं से संवाद करेंगे।

विज्ञान में अदिति, गणित में अंबिका और इतिहास में सायनी रहीं अक्वल

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी : उदयप्रताप सिंह

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का समापन

भोपाल/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर जिले के साईंखेड़ा सांदोपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। विज्ञान मॉडल में नर्मदापुरम सभाग की अदिति लोवंशी, गणित में लवली लोधी एवं तृतीय स्थान पर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ ही हालिया सचिव स्तर से प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वाली शिक्षिका सुश्री आकांक्षा राजोरिया को भी सम्मानित किया गया।

इन विद्यार्थियों ने हासिल किए उत्कृष्ट स्थान

मॉडल विधा के विज्ञान विषय में नर्मदापुरम सभाग की अदिति लोवंशी प्रथम, ग्वालियर की लवली लोधी एवं तृतीय स्थान पर प्राप्त करने वाली शिक्षिका साहू, इतिहास में ग्वालियर की सायनी अर्शल्म मंसूरी और राजनीति विज्ञान में ग्वालियर की सहजवीर कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।



जबकि ग्वालियर के समर बघेल तृतीय रहे। इतिहास में ग्वालियर की सायनी जाटव प्रथम, जबलपुर की आयुषी प्रजापति द्वितीय और नर्मदापुरम की कविता तृतीय रहीं।

पर्यावरण विषय में सागर सभाग की दिव्या पटेल प्रथम, नीरज प्रजापति एवं अरुणा अग्रवाल द्वितीय तथा जबलपुर की शिवानी रजक तृतीय रहीं। भूगोल में उज्जैन सभाग के अशंल्य मंसूरी प्रथम, सागर की अंबिका पाठक द्वितीय और इंदौर के परवेश आर्य तृतीय

रहे। राजनीति विज्ञान में ग्वालियर की सहजवीर कौर प्रथम, इंदौर की उर्वशी द्वितीय और भोपाल की पूजा यादव तृतीय रहीं।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी हैं। विद्यार्थियों के चेहरों में उन्हें भारत का उज्जवल भविष्य दिखाई देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़-लिखकर जीवन में ऊर्जा

रखने वाले युवाओं और इन्फ्लुएंसर्स से संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। युवा पीढ़ी के बदलते रूझान और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए राजनीतिक संगठन अब पारंपरिक बैठकों के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म को भी अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना रहे हैं। इसका मकसद युवाओं की समस्याओं, उनकी पसंद और भविष्य से जुड़ी अपेक्षाओं को समझना भी है। बता दें मध्य प्रदेश में 1.40 करोड़ से ज्यादा 18 से 29 साल के

रचनात्मकता की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय प्रदर्शनी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थियों ने हड़प्पा और मोहनजोदड़ो संस्कृतियों सहित अनेक उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक मॉडल तैयार किए। इन मॉडलों को तैयार कराने में मार्गदर्शी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर राज्य शिक्षा केंद्र के समन्वय डॉ. विपिन वर्मा एवं डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आयोजन से जुड़ी जानकारी दी और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष शंकर तिवारी ने किया तथा आभार नगर परिषद अध्यक्ष स्वाति सचिवन अग्रवाल ने व्यक्त किया।



हर क्षेत्र में नवाचार की सोच के साथ काम करें : डॉ. माखीजा

■ बच्चों को मोबाइल से रखें दूर, पांच वर्ष की उम्र में कराएं आंखों की जांच

बिलासपुर/नवप्रदेश। विश्व हिंदू परिषद के छत्तीसगढ़ प्रांत अध्यक्ष एवं चिकित्सक डॉ. ललित माखीजा ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए परिस्थितियों की शिकायत करने के बजाय लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ना जरूरी है। हर क्षेत्र में कुछ नया करने और नवाचार की सोच के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि



व्यक्ति को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह आज जहां खड़ा है और उसे जहां पहुंचना है, उस दिशा में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। जरूरत पड़े तो गति

बढ़ानी चाहिए, लेकिन लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए। डॉ. माखीजा शनिवार को बिलासपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष, मेडिकल शिक्षा, आर्थिक परिस्थितियों, सामाजिक सेवा और संगठन से जुड़े अनुभवों को साझा किया।

उन्होंने कहा कि शुरुआती दौर में आर्थिक स्थिति सामान्य थी और सीमित संसाधनों में पढ़ाई और जीवनयापन किया। संघर्ष के दौरान उन्होंने मेहनत , आत्मविश्वास और कर्म को

प्राथमिकता दी। दूसरों के घर, गाड़ी अथवा जीवनशैली देखकर स्वयं को कमतर आंकने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए अंगूठी, माला अथवा किसी अन्य बाहरी सहारे से अधिक जरूरी स्वयं पर विश्वास और निरंतर प्रयास है। किसी जरूरतमंद की मदद करने का अवसर मिले तो उसे अपना अहसान नहीं, बल्कि ईश्वर की ओर से मिला अवसर और जिम्मेदारी मानना चाहिए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के दिनों के कई संस्मरण साझा करते

हुए आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों और जरूरतमंद लोगों की सहायता से जुड़े प्रसंग भी बताए।

राम मंदिर अभियान और संगठन के सवालों पर भी की चर्चा

पत्रकारों ने राम मंदिर अभियान और विश्व हिंदू परिषद की गतिविधियों से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे, जिनका डॉ. माखीजा ने विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने संगठन के कार्यों, सामाजिक सरोकारों और विभिन्न अभियानों की जानकारी

भी साझा की। अपने जीवन के उतार-चढ़ाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियां व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं, बशर्ते वह अपने लक्ष्य और सिद्धांतों से समझौता न करे।

बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल पर जताई चिंता

डॉ. माखीजा ने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर अभिभावकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों की आंखों की नियमित

पत्रकारों के लिए ओपीडी निःशुल्क

इस अवसर पर डॉ. माखीजा ने पत्रकारों के लिए विशेष घोषणा करते हुए कहा कि उनके अस्पताल में पत्रकारों का ओपीडी शुल्क निःशुल्क किया जाएगा तथा इलाज में भी छूट दी जाएगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए पत्रकारों को प्रेस क्लब अध्यक्ष अथवा पदाधिकारियों के लेटरहेड पर पत्र लेकर आना होगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनके लिए स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में सहयोग करना सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है।

जांच जरूरी है और पांच वर्ष की उम्र में आंखों की जांच अवश्य करानी चाहिए। बच्चों को मोबाइल स्क्रीन से दूर रखना चाहिए तथा मोबाइल का इस्तेमाल सीमित समय तक ही होने देना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के हाथ में लंबे समय तक मोबाइल न देने की अपील की।

न्यूज गैलरी

रक्षाबंधन से पहले मिली महतारी वंदन की सौगात

बिलासपुर/नवप्रदेश। महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना की तीसरी किस्त की राशि मिलने पर भारतीय नगर निवासी हितग्राही श्रीमती शकुन यादव ने खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु भैया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की सहायता राशि से बच्चों की पढ़ाई, रोजमर्रा की जरूरतों और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद मिल रही है। श्रीमती शकुन यादव ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के पहले ही महतारी वंदन योजना की राशि खाते में मिलने से उनकी खुशी दोगुनी हो गई है। त्योहार के समय मिली आर्थिक सहायता से परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत मिली है। उन्होंने कहा कि योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है और वे अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों को स्वयं पूरा करने में सक्षम हो रही हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना को महिलाओं के लिए बेहद उपयोगी बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु भैया के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ धोबी समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक आज

सीपत/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश धोबी समाज की कोर कमेटी की आवश्यक प्रदेश स्तरीय बैठक आगामी 23 अगस्त, रविवार को सुबह 11 बजे रतनपुर परिक्षेत्र अंतर्गत एनटीपीसी सीपत नवाडीह स्थित सामाजिक सामुदायिक भवन, माता चौरा पानी टंकी के पास आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रदेशभर से समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, संभागीय एवं जिला अध्यक्ष, राज परिक्षेत्र पदाधिकारी तथा महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारी शामिल होंगी। प्रदेश महासचिव कृष्ण कुमार निर्मलकर ने बताया कि बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी प्रदेश स्तरीय चुनाव को लेकर चर्चा एवं आवश्यक निर्णय लेना है। उन्होंने पांचों संभागों के अध्यक्ष, 33 जिलों के अध्यक्ष, राज परिक्षेत्र अध्यक्षों सहित समाज के सभी पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है। बैठक में पांचों संभाग एवं 33 जिलों के अंतर्गत मतदाता सूची जारी करने, चुनाव की तिथि एवं स्थान निर्धारित करने, चुनाव भवन का चयन, चुनाव अधिकारी एवं उपचुनाव अधिकारियों की नियुक्ति सहित चुनावी प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की जाएगी। इसके अलावा रसीद, चंदा राशि, प्रचार-प्रसार, फार्म तथा बैलेट पेपर के माध्यम से लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श होगा। एक समाज, एक संगठन और एक प्रदेश अध्यक्ष पर जोर बैठक में छत्तीसगढ़ धोबी समाज को संगठित एवं मजबूत बनाने के उद्देश्य से 'एक समाज, एक संगठन, एक प्रदेश अध्यक्ष' की व्यवस्था को लेकर भी सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा।

व्याख्यान के साथ रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास पर हुआ संवाद सीजीआईटी में विद्यार्थियों ने जानी नई शिक्षा नीति और रंगमंच की बारीकियां

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान (सीजीआईटी), बिलासपुर में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली के निर्देशनानुसार नवप्रवेशित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 11 से 22 अगस्त तक द्विसप्ताहिक स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में विद्यार्थियों को शैक्षणिक व्यवस्था की जानकारी देने के साथ कला, संस्कृति, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विषयों से भी परिचित कराया जा रहा है। कार्यक्रम के 11वें दिन प्रथम सत्र में शासकीय इं. राघवेन्द्र राव स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, बिलासपुर के प्राचार्य डॉ. डी.के. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीयद्वारा शिक्षा नीति-2020 पर व्याख्यान दिया। उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रमुख प्रावधानों और उच्च शिक्षा पर उसके प्रभावों की जानकारी देते हुए मेजर एवं माइनर डिस्प्लिन, क्रेडिट सिस्टम, पाठ्यक्रम,



पाठ्यचर्या रूपरेखा और मूल्यांकन प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को नई शिक्षा व्यवस्था में उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों और लचीली अध्ययन प्रणाली का प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

वीरानी स्कूल की छात्रा जानवी ने ताइक्वांडो में जीता स्वर्ण, बढ़ाया बिलासपुर संभाग का मान

सीपत/नवप्रदेश। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा ताइक्वांडो प्रतियोगिता गौल्ला-पेंड्रा-मरवाही में आयोजित हुई, जिसमें प्रदेश के विभिन्न संभागों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए मस्तीर विकासखंड अंतर्गत विरानी पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल सीपत की छात्रा जानवी भारद्वाज ने अंडर-17 बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। ग्राम दरांभाठा निवासी जानवी भारद्वाज, पिता एसडी भारद्वाज ने प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत दमदार अंदाज में की। उन्होंने पहले मुकाबले में रायपुर संभाग की खिलाड़ी को शिकस्त दी। इसके बाद दूसरे मुकाबले में बस्तर संभाग की खिलाड़ी को हराकर फाइनल में जानवी का सामना दुर्ग



संभाग की खिलाड़ी से हुआ, जिसमें उन्होंने बेहतरीन खेल कौशल और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए जीत दर्ज कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। जानवी की इस उपलब्धि से न केवल विरानी पब्लिक स्कूल सीपत, बल्कि बिलासपुर संभाग और पूरे सीपत क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। उनकी सफलता पर स्कूल की संचालिका नसीम विरानी, प्राचार्या तारा गिरी एवं स्पोर्ट्स शिक्षक सूर्यकाश चंद्राकर ने हर्ष व्यक्त करते हुए जानवी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अब दिखाएंगी दम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने

के बाद जानवी भारद्वाज का चयन राष्ट्रीय स्तर की ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए हुआ है। आगामी 18 से 24 अक्टूबर तक जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में वे छत्तीसगढ़ की ओर से अंडर-17 बालिका वर्ग में अपना हुनर दिखाएंगी। स्पोर्ट्स शिक्षक सूर्यकाश चंद्राकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर जानवी से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। जीत का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को श्रेय पदक जीतने के बाद जानवी भारद्वाज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, स्कूल की प्राचार्या एवं स्पोर्ट्स शिक्षक को दिया।

नियुक्ति : वरिष्ठ किसान नेता श्याम मूरत बने प्रदेश किसान कांग्रेस के महासचिव किसानों की आवाज मजबूती से उठाने का संकल्प

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस ने संगठन विस्तार करते हुए प्रदेश के 21 कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। प्रदेश कार्यालय राजीव भवन, रायपुर से जारी नियुक्ति आदेश क्रमांक 137/26 के अनुसार बिलासपुर के वरिष्ठ किसान नेता श्याम मूरत कौशिक को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से कुर्मी समाज सहित मुंगेली-बिलासपुर अंचल के किसान समुदाय और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। नियुक्ति अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुखपाल सिंह खैरा, राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी अखिलेश शुक्ला, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री चरणदास महंत एवं प्रदेश प्रभारी मनोज नवार एवं प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा के हस्ताक्षर से नियुक्ति आदेश जारी हुआ है। नई जिम्मेदारी मिलने पर श्याम मूरत कौशिक ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक सामाजिक कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना

किसानों के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 'कि सान म े र मि ट ा न सद स्यता अभियान' को गांव-गांव और खेत-खलिहान तक पहुंचाने के साथ किसानों की समस्याओं को मजबूती से सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। कौशिक ने अपने कुर्मी समाज, सर्व समाज और क्षेत्र की जनता का भी आभार जताते हुए

कहा कि जिन लोगों ने हमेशा उनका साथ और विश्वास दिया है, उनके भरोसे पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। समाज और किसान संगठनों में उत्साह

श्याम मूरत कौशिक की नियुक्ति पर मुंगेली-बिलासपुर अंचल के किसान समुदाय, कुर्मी समाज एवं सर्व समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और किसान साथियों ने कहा कि कौशिक ने लंबे समय से किसानों, मजदूरों और सर्व समाज के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाया है। प्रदेश महासचिव की

जिम्मेदारी मिलना उनके सामाजिक एवं किसान हितैषी कार्यों का सम्मान है। कुर्मी समाज के पदाधिकारियों, ग्राम प्रमुखों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि कौशिक के नेतृत्व में किसान कांग्रेस संगठन को गांव-गांव तक और अधिक मजबूत करने में मदद मिलेगी। लंबे समय से किसान हितों के लिए सक्रिय कौशिक की संगठन में मजबूत पकड़ मानी जाती है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

साइबर अपराध रोकने जागरूकता ही बड़ा हथियार मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय में साइबर जागृति पर हुई कार्यशाला



साथ अपने परिवार, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को भी साइबर ठगी से बचाव के लिए जागरूक करें। साइबर ठगी से मुक्त हूं थीम पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के साइबर एक्सपर्ट पीएसआई अंकिता सेव ने विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड के बदलते तरीकों से सावधान किया। उन्होंने फिश ट्रेप, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन गेमिंग और विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से होने वाली ठगी के बारे में सरल उदाहरणों के साथ जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूक और सतर्क रहना जरूरी है। विद्यार्थी स्वयं जागरूक होने के

समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम काउद्देश्य विद्यार्थियों को केवल स्वयं सुरक्षित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें साइबर जागरूकता के संदेश का वाहक बनाना भी रहा । कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रघुनंदन पटेल, डॉ. एमडी स्वर्णकार, डॉ. राम प्रसाद, डॉ. श्वेता पंड्या, चंद्रा, डॉ. के. वेणु अचारी, डॉ. जीवन गौरे, हेमपुष्पा नायक, वंदना श्रीवास्तव, भूपेंद्र कुमार देवांगन, तृप्ति शुक्ला, डॉ. पूजा यादव, पुष्पा साहू, निमेष सिंह, विमल तिवारी एवं धनंजय टंडन सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी शत्रुहन घुलतहरे ने किया। कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए साइबर अपराध के प्रति सजगता बढ़ाने और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की दिशा में उपयोगी साबित हुई।

25 को शिक्षक संघर्ष मोर्चा का प्रांतीय आंदोलन

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षकों के अधिकारों एवं हितों को लेकर 25 अगस्त को प्रदेशव्यापी आंदोलन का आह्वान किया है। इस दिन प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में विभिन्न संवर्गों के शिक्षक एकजुट होकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। मोर्चा के प्रदेश संयोजक संजय शर्मा, वीरेंद्र दुबे एवं केदार जैन ने सभी संवर्गों के शिक्षकों से आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। मोर्चा के अनुसार आंदोलन के माध्यम से शिक्षकों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को शासन के समक्ष रखा जाएगा। इसमें टेट की अनिवार्यता से मुक्ति प्रमुख मांग है।

मोर्चा ने सेवा सुर्क्षा एवं पवोनति के लिए शिक्षकों को टेट परीक्षा की अनिवार्यता से राहत देने की मांग की है। पूर्व सेवा अवधि को पेंशन में जोड़ने की मांग शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षकों को पूर्ण सेवा सुरक्षा देने के साथ पूर्व सेवा अवधि को जोड़कर पेंशन एवं अन्य सेवा लाभ प्रदान करने की मांग भी उठाई है। इसके अलावा राज्य के शिक्षकों को केन्द्रीय वेतनमान के समान लाभ देने तथा वेतन विसंगतियों को दूर करने की मांग ज्ञापन में शामिल की गई है। मोर्चा ने 13 फरवरी 2026 को जारी भर्ती एवं पवोनति नियमों में शिक्षकों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संशोधन की मांग की है।



जब भी हम कलाई पर बंधने वाले रेशम के उस साधारण से धागे को देखते हैं, तो वह हमें एक बेहद असाधारण भावना से भर देता है। यह सिर्फ़ दो इंसानों के बीच का रिश्ता नहीं है, बल्कि यह स्नेह, सुरक्षा और अटूट विश्वास का वह जीवंत दस्तावेज है जो सदियों से हमारी संस्कृति की धड़कन बना हुआ है। रक्षाबंधन महज एक त्योहार नहीं, बल्कि ईशानियत के उस उच्च मानवीय मूल्य का प्रतीक है जहाँ हर व्यक्ति दूसरे की रक्षा और सम्मान को अपना परम कर्तव्य मानता है। आज जब हम इस पावन पर्व को मनाते हैं, तो इसके इतिहास, इसके मूल कारणों और इसके असली आध्यात्मिक व सामाजिक महत्व को गहराई से समझना बेहद जरूरी हो जाता है।

इतिहास के पन्नों में रक्षाबंधन : का पौराणिक और ऐतिहासिक संदर्भ

रक्षाबंधन की परंपरा का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितनी कि हमारी सभ्यता। इसके उद्गम और विकास को हम विभिन्न कालों और घटनाओं के जरिए समझ सकते हैं:-

वैदिक काल और देवताओं का प्रसंग: पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार देवताओं और दानवों के बीच भीषण युद्ध चल रहा था। धर्म

की रक्षा के लिए जब देवता संकट में थे, तब देवराज इंद्र की पत्नी इंद्राणी (शची) ने भगवान विष्णु की सलाह पर सावन पूर्णिमा के दिन मंत्रों से अभिमंत्रित एक रक्षा-सूत्र इंद्र की कलाई पर बांधा था। इस आध्यात्मिक बल के प्रभाव से देवताओं को युद्ध में विजयी प्राप्त हुई। माना जाता है कि यहीं से युद्ध पर जाने वाले योद्धाओं की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधने की परंपरा शुरू हुई। महाभारत काल और भगवान श्रीकृष्ण की लीला: द्वापर युग में महाभारत के दौरान इस पर्व का एक और अत्यंत मार्मिक प्रसंग मिलता है। जब राजसूय यज्ञ के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की उंगली सुदर्शन चक्र से कटकर लहलुहान हो गई थी, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फड़कर तुरंत उनकी उंगली पर बांध दिया था। उस रक्तहीन पट्टी के एक-एक सूत के कर्ज को चुकाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने चौरहण के समय द्रौपदी की लाज बचाकर यह सावित कर दिया कि रक्षा-सूत्र के मायने क्या होते हैं।

ऐतिहासिक गाथाएँ : मध्यकाल में भी रक्षाबंधन के ऐतिहासिक उदाहरण मिलते हैं। मेवाड़ की रानी कर्णावती जब संकट में थीं और गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह के आक्रमण का खतरा था, तब उन्होंने मुग़ल बादशाह हुमायूँ को राखी भेजी थी। एक मुस्लिम शासक होने के बावजूद हुमायूँ ने उस राखी

रक्षाबंधन विशेष : कोरे धागे में बंधा विश्वास, भारतीय संस्कृति का अमर और प्राणवान अध्याय

की लाज रखी और मेवाड़ की रक्षा के लिए अपनी सेना भेज दी। यह इस बात का प्रमाण है कि राखी सरहदों, जातियों और धर्मों की सीमाओं से परे एक सार्वभौमिक मानवीय बंधन है।

आज के दौर में रक्षाबंधन : बदलता स्वरूप और गहराता अर्थ

समय के साथ इस पर्व के मनाने के तरीकों में भले ही बदलाव आया हो, लेकिन इसकी मूल आत्मा आज भी उतनी ही पवित्र है। आज का रक्षाबंधन नए आयाम छू रहा है:

संवेदनाओं का आधुनिकीकरण: आज दूरियों ने रिश्तों की गर्माहट को कम नहीं किया है। तकनीक के जरिए मीलों दूर बैठे भाई-बहन वीडियो कॉल और डिजिटल माध्यमों से इस पर्व की पवित्रता को महसूस करते हैं।

पर्यावरण और सामाजिक सरोकार: आधुनिक युवा पीढ़ी अब पारंपरिक धागों के साथ-साथ 'सीड-राखी' (ऐसी राखियाँ जिनमें पौधे के बीज होते हैं) का उपयोग कर रही है। इसके साथ ही, महिला सुरक्षा और उनके स्वावलंबन के प्रति समाज में नई जागरूकता पैदा करने का माध्यम भी यह पर्व बन रहा है।

रिशतों की गर्माहट और मानवीय संवेदनाओं का महापर्व

भारतीय संस्कृति में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का उत्सव नहीं है, बल्कि यह आपसी स्नेह, विश्वास और अगाध प्रेम को संहेजने का एक ऐसा पर्व है जो हमारी व्यस्त और यांत्रिक जिंदगी को मानवीय संवेदनाओं से भर देता है। सावन मास की पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला यह त्योहार प्रकृति के उज्ज्वल के साथ-साथ पारिवारिक रिश्तों की गर्माहट को पुनर्जीवित करने का काम करता है। आज के इस आधुनिक और दौड़-भाग भरे युग में, जहाँ मनुष्य डिजिटल स्क्रीन और भौतिकता के पीछे भागते-भागते अपनों से दूर होता जा रहा है, रक्षाबंधन हमें अपनी जड़ों और अपनों के करीब लौटने का अनमोल अवसर देता है। भाई-बहन का रिश्ता इस दुनिया का सबसे अनूठ और निश्चल रिश्ता माना जाता है, जिसमें बचपन की खट्टी-मीठी यादें, बिना किसी शर्त का लड़ना-झगड़ना और पल भर में फिर एक हो जाना शामिल है। समय के साथ भले ही दूरियां बढ़ जाएं या जिम्मेदारियां बदल जाएं, लेकिन इस रिश्ते की मिठास और अपनापन कभी कम नहीं होता। कलाई पर बंधा वह रेशमी धागा महज एक सूत नहीं होता, बल्कि यह बहन के मन का अगाध विश्वास और उसकी मंगलकामना होती है, जिसके बदले भाई अपनी बहन की हर परिस्थिति में ढाल बनने का वचन देता है।

2. रक्षाबंधन मनाने का मूल कारण : क्या था इसके पीछे का उद्देश्य?

आदि काल से इस पर्व को मनाने के पीछे कुछ स्पष्ट सामाजिक और नैतिक उद्देश्य रहे हैं, जिन्हें आज के दौर में फिर से रेखांकित करने की आवश्यकता है:-

परम्परा सुरक्षा और सामाजिक एकजुटता का भाव: प्राचीन समाज में जब लोग युद्धों, यात्राओं या अनिश्चितताओं के बीच जीवन जीते थे, तब परिवार और समाज के सदस्यों में एक-दूसरे के प्रति दायित्व का बोध कराने के लिए इस पर्व काीकल्पना की गई थी। यह केवल एक भाई द्वारा बहन की रक्षा का वचन नहीं है, बल्कि यह समाज के हर उस व्यक्ति के प्रति प्रतिबद्धता है जो कमजोर या संकट में है।

नैतिक मूल्यों और भाई-चारे का संवर्धन: रक्षाबंधन का मूल कारण समाज में प्रेम, आदर और सद्भाव की भावना को जीवित रखना है। यह पर्व मनुष्य को यह याद दिलाता है कि रिश्ते सिर्फ़ स्वाथं या खून के रिश्तों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संवेदना और वचनबद्धता ही किसी भी समाज की असली ताकत होती है।



दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का सोशल मीडिया संयोजक छत्तीसगढ़ का लाल



अभिषेक धाड़से

के लिए यह गर्व का क्षण है। रायपुर के दीपक म्हास्के को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। अमित मालवीय के लगभग 11 वर्षों के कार्यकाल के बाद यह बदलाव पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में हुआ।

म्हास्के अब उस मशीनरी के सिर पर बैठे हैं जो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी की डिजिटल आवाज है।

यह सिर्फ एक नियुक्ति नहीं, छत्तीसगढ़ की सांगठनिक क्षमता और डेटा-आधारित कामकाज की पहचान है।

शुरुआत कहाँ से हुई

दीपक म्हास्के का जन्म 1968 में रायपुर में महाराष्ट्रीय ब्राह्मण परिवार में हुआ। परिवार की पृष्ठभूमि जनसंघ और आरएसएस से जुड़ी रही। उनके भाई तेज प्रताप म्हास्के आरएसएस से जुड़े हैं। म्हास्के ने एमएससी केमिस्ट्री की डिग्री ली, सीमेंट टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा किया और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की ट्रेनिंग भी ली। कुछ वर्षों तक कॉलेज में केमिस्ट्री प्रोफेसर रहे।

इसके बाद उन्होंने कृषि की ओर रुख किया। बागवानी और जैविक खेती में 35 साल से ज्यादा का अनुभव है। डेटा कलेक्शन और विश्लेषण में उनकी विशेष रुचि रही, खासकर चुनावी डेटा और सरकारी लाभार्थी योजनाओं का। इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड में गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक भी रहे और वर्तमान में छत्तीसगढ़ मॉडेलक सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) के अध्यक्ष हैं, जो राज्य मंत्री स्तर का पद है।



छत्तीसगढ़ का गौरव

दीपक म्हास्के का सफर बताता है कि संगठन, डेटा और लगातार मेहनत से कोई भी कार्यकर्ता राष्ट्रीय भूमिका तक पहुंच सकता है। केमिस्ट्री प्रोफेसर से लेकर जैविक किसान, डेटा विश्लेषक और फिर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के सोशल मीडिया संयोजक तक का यह सफर छत्तीसगढ़ की राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। अब उनकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे युवाओं तक सही कहानी कितनी प्रभावी तरीके से पहुंचा पाते हैं।

छत्तीसगढ़ का डेटा अब पूरे देश की डिजिटल लड़ाई का चेहरा है। आशा है कि वे इस जिम्मेदारी को गर्व के साथ निभाएंगे।

क्या अपेक्षाएँ हैं

राजनीति में उनका प्रवेश 2009 के आसपास छत्तीसगढ़ भाजपा आईटी सेल से हुआ। राज्य आईटी सेल प्रभारी और राज्य प्रवक्ता रहे। बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में सोशल मीडिया अभियानों का नेतृत्व किया। जिला स्तर पर फेसबुक काकाउंट्स रखकर और कंटेंट टीम बनाकर युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने की रणनीति उन्होंने पहले ही आजमाई थी। चुनाव कभी नहीं लड़े, फिर भी संगठन और डेटा के बल पर राष्ट्रीय भूमिका तक पहुंचे।

कायों की असफलता अथवा किसी महत्त्वपूर्ण अनुबंध के निरस्त होने से स्वभाव में विड्विड्डा पन आ सकता है। **सिंह:** आज आपको प्रतिकूल पल मिलने से मन में नकारत्मकता रहेगी। कार्य को करने से पहले ही हार मान लेने से सफलता की उम्मीद भी अल्प रहेगी। **कन्या:** आज दिन का प्रारंभिक भाग सुख-शांति से बितायेंगे। मन खुश रहने से आसपास का वातावरण भी हस्यमय बनावेगे। मित्र प्रियजनों के साथ भविष्य की योजनाओं पर खुल कर विचार करेंगे। **तुला:** आज आपकी महात्त्वकांक्षाओ की पूर्ती में अड़चने आने से हताश हो सकते हैं। फिर भी गले-घुरे का विरेक रहने से मानसिक रूप से परेशान नहीं होंगे। **बुधकि:** आज के दिन धन की कमी रहने पर भी खुश रहने का सफल प्रयास करेंगे। परिजनों से भावनात्मक सम्बन्ध रहने से मन

को शान्ति मिलेगी। **धनु:** आज के दिन आपको प्रत्येक कार्य में विड्विड्ता रखने की सलाह है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के कारण धन के साथ सम्मान की भी हानि हो सकती है। धैर्य से समय बिताएं। **मकर:** आज दिन का पूर्वार्ध नयी उलझने लाएगा। हठी प्रवृति रहने से व्यापार में हानि एवं प्रियजनों से दूरी बढ़ सकती है। महत्त्वपूर्ण कार्य को अनुमोदियों के परामर्श के बाद ही करें अन्यथा थोड़े समय के लिए टाल दें। **कुंभ:** आज भी परिस्थितियाँ आपके अनुकूल रहने से लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु अज्ञान की स्थिति अथवा गलत सलाह के कारण लाभ होना संदिग्ध ही रहेगा। बहुप्रतीक्षित अतिमहत्त्वपूर्ण कार्य पूरा होगा। **मीन:** आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। थोड़ी आर्थिक परेशानियाँ रह सकती है।

का जवाब देना और बृथ स्तर तक डिजिटल पहुंच मजबूत करना। ये प्रमुख जिम्मेदारियाँ हैं। पार्टी अब महज आक्रामकता नहीं, लॉजिक और सही जानकारी पर जोर देना चाहती है।

उन्होंने क्या कहा और क्या लागू करने वाले हैं

नियुक्ति के बाद म्हास्के ने साफ कहा कि उनका फोकस विपक्ष द्वारा एआई से बने रील्स के जरिए फैलाए जा रहे फेक नैरेटिव पर रहेगा। वे सकारात्मक कंटेंट को और गति देंगे। जेनर्न के लिए उन्होंने इंस्टाग्राम और रील्स को प्राथमिकता दी। कहा कि युवा पहले से सोशल मीडिया पर हैं, पार्टी को उन्हीं प्लेटफॉर्म के जरिए सही जानकारी पहुंचानी होगी। 22 अगस्त की बैठक में विस्तृत रणनीति बनेगी।

उन्होंने जोर दिया कि हर राज्य की अपनी जरूरतें हैं, इसलिए एक जैसे कंटेंट से काम नहीं चलेगा। क्लाउसएफ ग्रुप्स, फेसबुक और बृथ स्तर तक पहुंच बनानी होगी। युवा मोर्चा के साथ मिलकर काम करेंगे। अमित मालवीय से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है और आगे भी मार्गदर्शन लेंगे। उनका मानना है कि प्रचार क्षणिक माहौल बना सकता है, लेकिन लंबे समय तक सही जवाब देने से भ्रम दूर होते हैं।

युनैतितायं भी कम नहीं

बाएं पक्ष के पास युवाओं के लिए बेहतर सौंदर्यबोध, मोम्स और रील्स का मजबूत इकोसिस्टम है। जेनर्न राजनीति को टीवी या अखबार से नहीं, बल्कि इंस्टाग्राम रील्स और शॉर्ट वीडियो से समझता है। पार्टी को इस भाषा और फॉर्मेट में खुद को ढालना होगा। विदेशी खबतों से आने वाले प्रचार और लगातार बदलते प्लेटफॉर्म एल्गोरिदम को चुनौती हैं। म्हास्के को राज्य इकाइयों के साथ समन्वय बनाए रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट संदेश देना होगा।

गुस्ताख़ लड़की

मेरे भीतर एक गुस्ताख़ लड़की रहती है बेअदब, मुँहफट्ट, बेपरवाह, मस्तमौला सी अपनी धुन में खोई अपनी ही सुनती अपनी ही कहती वो किसी से नहीं है डरती एक जगह पर टिकती नहीं रोके ज़माना तो रुकती नहीं अपने सपनों को अहमियत देती है नये-नये पेंतरे आजमाती है वो लड़की किसी बात से नहीं घबराती है उड़ती पतंग सी उषा-किरण सी मदमस्त मलंग सी जहाँ मन करे वहाँ चली जाती है फ़रेबी दुनिया को झेल कर रंजो गम से खेल कर कितनी दफ़्तर दूटी, बिखरी, फि़र सम्भली है तब जाकर बनी है वो अच्छी लड़की से एक गुस्ताख़ लड़की।



पूजा बहार

गरीब बाला नहीं झन्नाटेदार हुई बिजली बाई



प्रदेश इतिहास में पहली बार सरकारी विभागों को बिजली बाई ने तगड़ा झटका दिया है। बिजली खपत के आंकलन एवं पूर्व भुगतान हेतु सरकारी कार्यालयों में प्रीपेड सिस्टम अनिवार्य कर

दिया गया है। सरकार के इस निर्णय से सरकारी अमला सकते में है। उसे अपनी आजादी छीनने की पीड़ा खाए जा रही है। बिजली का बेखौफ दुरुपयोग करने वाले बेचारे सरकारी सेवकों को अब बिल भुगतान करने का खोफ सताने लगा है। फेकट की बिजली फूँक भाई लहसू की सोच रखने वालों को डपटते हुए छत्तीस इंजीनी सीना फूलाकर बिजली बोर्ड कह रहा है कि ः बिजली गरीब बाला नहीं बल्कि चार सी चालिस वोल्ट करंट मारने वाली बिजली बाई बन गई हैः।

प्रदेश में प्रीपेड बिजली सिस्टम लागू करने के अलावा घर घर और कार्यालयों में ःखुंसट चौकीदारः स्मार्ट मीटर भी लगाया जा रहा है,जो कि प्रधान सेवक की तरह रात दिन जागते हुए बिजली बिरयानी खाने वालों पर बुरी नजर रखता है। जनहित में आकंट डूबा वह मीटर ःन खाऊंगा न खाने दूंगाः की तर्ज पर काम करता है। बिजली विभाग भी स्मार्ट मीटर को 'सत्यवादी हरिश्चंद्र' बताते हुए दावा कर रहा है कि स्मार्ट मीटर बिना भेदभाव किए सबको बिजली की सच्ची खपत की घुड़ी पिलाता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भगवान श्रीराम का ननिहाल छत्तीसगढ़ है। इसीलिए यहां की पावन धरा पर उत्पादित बिजली भी गंगाजल की तरह पवित्र है। ऐसी पवित्र बिजली का दुरुपयोग भगवान के प्रसाद का घोर अपमान है।

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी जैसे ही बिजली की चोरी जायज अपराध है। इसे समझ कर राम में जुटी सरकार ने सरकारी विभागों को एडवांस में अनिवार्यतः बिजली भुगतान करने का तगड़ा खेल खेला है। इसे ईमानदारी से खेले तो सरकार की गिरती छवि सुधार सकती है।

अन्यथा यही खेल उलटा पलट कर बुम्रेंग हथियार की तरह पार ही चार करेगा।

सरकारी विभागों की बकाया वसूली के बहाने सरकार ने बिज्ज्ही सी गुराँती जनता,सरकार के

खिलाफ शेर की तरह दहाड़ते दहाड़ते विपक्षियों को चुप भी करा दिया है। साथ ही जनता को ःप्रीपेड मीटर सिस्टमः से पित्तहाल मुक्त करके नहले पर दहला मारा है।

हवा का रुख अपनी ओर करने वाला अचूक पासा फेंका है। हालांकि जनता जानती है कि सरकार की नजर में ःजनता तो बली की बकरी की तरह ही होती है। जिसे पहले तो सरकार खूब खिलाती पिलाती है, फिर समय आने पर एक झटके में हलाल कर देती है।

फिर भी सरकारी विभागों पर प्रीपेड सिस्टम स्मार्ट मीटर का चौकीदार बिताने और बकाया बिजली बिल भुगतान करने की बाध्यता का निर्णय लेने का साहस करने वाली सत्ता को जनता सलाम कर रही है। दावा किया जा रहा है कि प्रदेश के विकासखंड स्तर तक सभी सरकारी विभागों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

अगर इसमें सच्चाई है तो यह बिजली विभाग की अभूतपूर्व अविश्वसनीय उपलब्धि है। विकासखंड स्तर तक शत प्रतिशत स्मार्ट मीटरी करण हो जाना प्रदेश के गुनीजनों के लिए सोच का और भावी इंजीनियरों के लिए शोध का विषय बन गया है।

सरकार ने कौन सी रामबाण घुड़ी पिलाई दी है। जिससे बिजली की गति से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। बिजली मीटर का निर्माण कौन कर रहा है।विपक्षी पार्टी इसे खोज क्यों नहीं पाई है।विपक्षी पार्टियों को भी इन दिनों नया मुद्दा मिल गया है।वे सुबह शाम नारे लगा रहे हैं -बिजली रानी बड़ी सयानी स्मार्ट मीटर के साथ मिलकर करती है मनमानी।

बिजली बदनाम हुई स्मार्ट मीटर तेरे कारण। मेरे अंगने में स्मार्ट मीटर तेरा क्या काम है तू है नाम वाला तभी तो बदनाम है।

इन दिनों बिजली उपभोक्ताओं की एक और आम शिकायत है कि आकाश में बिजली चमकती है तो घरों की बिजली अविलम्ब गुल हो जाती है। घरों से दूर कहीं जाकर दुबक जाती है। सुना था नारी ही नारी की शत्रु होती है।

बरसाती बिजली की चमक से गुल होती घरों की बिजली को देखकर लगता है कि बिजली भी बिजली की बैरी होती है।

कार्टून



जननायक समारोह: जनजातीय संग्रहालय में लौहगुण्डी के शौर्य से जीवंत हुआ गोंडवाना

नवप्रदेश/जबलपुर/भोपाल।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जनजातीय संग्रहालय में गोंड जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं, शौर्यगाथाओं, आध्यात्मिक विश्वासों और जीवन-मूल्यों को जनजातीय आख्यानो एवं नृत्य-नाट्यों के माध्यम से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित गोण्ड सभ्यता के महानायकों आधारित 'जननायक समारोह' में शनिवार शाम को 'राजा लौहगुण्डी' नृत्य- नाट्य का मंचन किया गया।

इस नृत्य-नाट्य का निर्देशन सतीश श्याम तथा संगीत एच. अनिल सिंह एवं स्वरज श्याम का है। समारोह में मंचित नृत्य -नाट्य प्रस्तुतियों का आलेख योगेश त्रिपाठी-रीवा द्वारा किया गया है। समारोह की शुरुआत नृत्य-नाट्य निदेशक सतीश श्याम एवं संगीत संयोजक स्वरज श्याम का स्वागत से की गई।



कलाकारों का स्वागत वरिष्ठ संगीत निदेशक सीताराम सिंह एवं वरिष्ठ रंग निदेशक नीलेश्वर मिश्रा द्वारा किया।



समुदाय के प्रति दायित्व, आध्यात्मिक आस्था, परिवारिक एवं सामाजिक संबंधों की रक्षा तथा संघर्ष के बीच जीवन-मूल्यों को बनाए रखने की प्रेरणा भी दिखाई देती है। 'जननायक समारोह' इन्हीं आख्यानो

के माध्यम से गोंड समुदाय की सांस्कृतिक निरंतरता और उसके नायकों की लोकस्मृति को मंच पर जीवंत करने का प्रयास है।

राजा लौहगुण्डी कथासार: 'राजा लौहगुण्डी' नृत्य-नाट्य गोंडवाना के प्रतापी राजा लौहगुण्डी की शौर्यगाथा पर आधारित है। लोक आख्यान के अनुसार राजा लौहगुण्डी ने अपने पराक्रम और बुद्धिमत्ता से गोंडवाना राज्य का विस्तार किया तथा अपनी प्रजा के संरक्षण और कल्याण के लिए कार्य किया। बाल्यावस्था में उनका विवाह राजा पंचनारायण की पुत्री हीरोली कन्या से होता है। इसी बीच दुष्ट राजा रामदरबाई हीरोली कन्या का अपहरण कर उसे बंदी बना लेता है। राजा लौहगुण्डी अपने साहस, बल और बुद्धि का परिचय देते हुए रामदरबाई का सामना करते हैं और हीरोली कन्या को मुक्त करकर वापस लाते हैं।

■ न्यूज गैलरी

बर्फोली गुफा में विराजे गुप्तेश्वर महादेव

जबलपुर। सावन माह के पावन अवसर पर गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी मुकुंद दास महाराज के पावन सानिध्य में आज भगवान श्री गुप्तेश्वर महादेव का दिव्य बाबा अमरनाथ श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में बर्फ से अमरनाथ गुफा का मनोहारी स्वरूप तैयार किया गया, जिसमें भगवान के दिव्य दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से बर्फ की व्यवस्था की गई, जिससे भक्तों ने बर्फ पर चलकर बाबा अमरनाथ स्वरूप में विराजमान भगवान गुप्तेश्वर महादेव के दर्शन प्राप्त किए। इस अनूठे आयोजन ने श्रद्धालुओं को अमरनाथ धाम की आध्यात्मिक अनुभूति कराई। श्रृंगार एवं सेवा में आशीष सोधिष्या, अतुल सोधिष्या, विकास, पिप्यूष,मयंक, राजेश, कमलेश जायसवाल एवं सार्थक परिहार विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा भगवान की सेवा एवं व्यवस्था में सहभागिता की।

पश्चिम विधानसभा में कलश वंदन यात्रा का समापन

जबलपुर। समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित कलश वंदन अभियान के तहत पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में गिरिराज किशोर कपूर मंडल, महाराणा प्रताप मंडल, एवं रानी दुर्गावती मंडल में निकाली गई कलश वंदन यात्रा का भव्य एवं गरिमामय समापन हुआ। यात्रा के दौरान क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने कलश का श्रद्धापूर्वक पूजन किया। संत गुरु रविदास महापूज जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के द्वितीय चरण में कलश वंदन यात्रा। मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले से मंडल एवं गाँव गांव तक निकाली जा रही है। यात्रा में जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी अमित सोनू बचवानी, रजनीश यादव, अभय सिंह ठक्कर, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, प्रणय गुप्ता, प्रशांत दुबे गुल्शन, संतोष झरिया, जागेश समुद्रे, संजय निशा राठौर, लोचन साहू, राजू पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षा व्यवस्था पर निबंध-चित्रकला प्रतियोगिता आज से

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) की ओर से विद्यार्थियों के लिए वार्षिक निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने बताया इस बार प्रतियोगिता का विषय 'भारतीय शिक्षा व्यवस्थाऽङ्कअतीत, वर्तमान एवं भविष्य' रखा गया है। पहला चरण 23 अगस्त को होगा। इसके बाद 30 अगस्त, 6, 13 और 20 सितंबर को प्रतियोगिता के अगले चरण आयोजित किए जाएंगे। सभी प्रतियोगिताएं दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक जानकीरमण महाविद्यालय, आगा चौक में होंगी। श्री शर्मा ने कहा कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, जबकि कक्षा 6 से 8 तथा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता होगी। निबंध हिंदी या अंग्रेजी में लिखा जा सकेगा। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के साथ पांच साल्ना पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कारों में लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्टफोन, साइकिल और स्मार्ट वॉच सहित अन्य उपहार शामिल हैं। कांग्रेस कमेटी ने विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की है।

जबलपुर की फैक्ट्री से फिर गरजेगी 105 एमएम एलएफजी

जबलपुर। देश की रक्षा जरूरतों के बीच जबलपुर एक बार फिर बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। शहर की पहचान बनी गन फैरिज फैक्ट्री में भारतीय सेना की 105 एमएम लाइट फील्ड गन को आधुनिक रूप देने का काम आगे बढ़ रहा है। पहाड़ी इलाकों से लेकर रंगिस्तानी मोर्चों तक उपयोग के लिए डिजाइन की गई यह हल्की तोप अपग्रेड होने के बाद ज्यादा सटीक और तेजी से तैनात की जा सकेगी। लाइट फील्ड गन की सबसे बड़ी ताकत इसका हल्का वजन और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में आसानी से पहुंचाया जा सकना है। उपलब्ध तकनीकी जानकारी के अनुसार यह गन पर्वतीय क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के जरिए भी पहुंचाई जा सकती है।

पुरानी तोप, नया अवतार: अपग्रेडेशन का मकसद लंबे समय से सेना के साथ सेवा दे रही 105 एमएम एलएफजी की उपयोगिता को आधुनिक युद्ध की जरूरतों के अनुरूप बढ़ाना है। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, बेहतर पोजिशनिंग और फायर-कंट्रोल जैसी तकनीकों से गन की ऑपरेशनल क्षमता में सुधार किया जा सकता है। जबलपुर के लिए यह इसलिए भी अहम है क्योंकि जीसीएफ का इस श्रेणी की तोपों के निर्माण से पुराना संबंध रहा है। 105 एमएम लाइट फील्ड गन का निर्माण जीसीएफ में हुआ है और यह गन भारतीय सेना की आर्टिलरी क्षमता का हिस्सा रही है।

शूट एंड स्कूट क्षमता पर जोर: आधुनिक युद्ध में किसी लक्ष्य पर तेजी से फायर करने के बाद अपनी स्थिति बदलना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। 105 एमएम गन के वाहन आधारित आधुनिक संस्करण में इलेक्ट्रॉनिक पोजिशनिंग एवं कंट्रोल, हाइड्रोलिक आउटरीयर और 'शूट एंड स्कूट' जैसी क्षमताओं को शामिल किया गया है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के अनुसार इस श्रेणी के विकास में जीसीएफ जबलपुर के साथ साझेदारी रही है। इससे संकेत मिलता है कि जबलपुर की रक्षा उत्पादन क्षमता केवल पारंपरिक तोप निर्माण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यहां पुराने हथियारों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनकी उपयोगिता बढ़ाने की दिशा में भी काम हो रहा है।

निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस आरक्षण का मामला

हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार से दो हफ्ते में मांगा जवाब

नवप्रदेश/जबलपुर।

निजी मेडिकल कॉलेजों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के विद्यार्थियों को आरक्षण का लाभ देने का मामला अब केंद्र सरकार के समक्ष पहुंच गया है।

हाईकोर्ट की युगलपीठ ने पुराने प्रकरण में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी है। केंद्र को दो सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर 2026 को होगी।

अथर्व चतुर्वेदी विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य मामले में याचिकाकर्ता ने निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को



समायोजित करने के लिए सामान्य वर्ग की सीटें बढ़ाने की मांग पर केंद्र का पक्ष रिफाई पर लेने का अनुरोध किया था। युगलपीठ ने मौखिक आवेदन स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार को पक्षकार बनाया। डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु ने केंद्र की ओर से नोटिस स्वीकार किया है। इसी मुद्दे को लेकर कुमारी दशका अंजुम सहित अन्य ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों ने निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की मांग करते हुए नई याचिका दायर की है। प्रशासनिक न्यायाधीश आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने राज्य शासन तथा राष्ट्रीय

इम्यू की डीपीई शिक्षक पद के लिए मान्य

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इम्यू), नई दिल्ली से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई को माध्यमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति और प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए मान्य योग्यता माना है। कोर्ट ने राज्य शासन की तीन रिट अपीलें खारिज करते हुए एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखा है। मामले में अभ्यर्थियों ने माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा पास करने के बाद दस्तावेज सत्यापन भी कराया था, लेकिन दो वर्षीय डीपीई डिप्लोमा के आधार पर उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई थी। अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट में इसे चुनौती देते हुए बताया कि स्नातक के साथ दो वर्षीय डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता निर्धारित है। 28 फरवरी 2013 के शासन परिपत्र में इम्यू के डीपीई को डीएड और डीएलएड के समकक्ष मान्यता दी गई थी।

रक्षा सूत्र बांधकर उत्कृष्ट सेवा सम्मान

जबलपुर। सामाजिक, धार्मिक और सेवा कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए पंडित धनंजय बाजपेई को सर्व समाज की मातृशक्ति द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बहनों ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में श्रीराम रामायण प्रचार मंडल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ी महिलाओं ने सहभागिता की। पूर्व नगर अध्यक्ष महिला भाजपा श्रीमती संघ्या दुबे, चोपड़ा, शकुन बाजपेई, कामिनी जायसवाल, आभा शर्मा, शकुंतला पटेल, कुसुम रजक सहित अन्य मातृशक्ति ने पंडित धनंजय बाजपेई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान कमला नेहरू नगर व्यापारी संघ, संपूर्ण ब्राह्मण मंच, धनुष यज्ञ एवं रामलीला समिति सदर सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से भी उनके द्वारा किए जा रहे सामाजिक, धार्मिक और सेवा कार्यों की सराहना की गई। पंडित धनंजय बाजपेई ने मातृशक्ति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बहनों द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर दिया गया आशीर्वाद उनके लिए किसी भी सम्मान से बढ़कर है।

चेरीताल में गूंजा हरिनाम, श्रावण संकीर्तन



नवप्रदेश/जबलपुर।

'चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबलपुर के संयोजन में चल रही श्रावणमास संकीर्तन माला के 25वें दिवस चेरीताल स्थित हरदोल मंदिर में कमलेश तिवारी के निवास पर भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने प्रेम भिक्षाम देहि की अर्ज के साथ भगवान के नाम का संकीर्तन का किया।इस कार्यक्रम में चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के संयोजक देवेन्द्र नेमा सहित सत्यप्रकाश नामदेव, प्रभाकर चतुर्वेदी, के.एल. दीक्षित, सुरेंद्र गिरी, मोहित

तिवारी, अमित विश्‍नोई, बीरबहादुर पटेल, मनोज विश्वकर्मा, महेंद्र नामदेव, सत्यनारायण दुबे, अनिल सुहाने, शंकर नामदेव, विशाल पंड्या, राजेंद्र कसेरा, नरेश कहार, रामजी सोनी, अशोक विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।श्रावणमास संकीर्तन माला के अंतर्गत 24 अगस्त को अमित विश्‍नोई के शंकर घी भंडार स्थित निवास पर संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। मंडल ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर हरिनाम संकीर्तन में सहभागिता करने की अपील की है।



जबलपुर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और मौसम की अनिश्चितताओं से बचाव के लिए चलाए जा रहे फसल विविधीकरण अभियान के सकारात्मक परिणाम अब मैदानी स्तर पर दिखने लगे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विकासखंड सिहोरा के ग्राम कछुरा (गोसलपुर) के भ्रमण पर गये अधिकारियों के दल ने नेशनल मिशन ऑन इडीबल ऑयल (तिलहन) के अंतर्गत तिल फसल प्रदर्शन का निरीक्षण किया। कृषि विस्तार अधिकारी अदिति सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में क्षेत्र के उन्नतशील कृषक राजकिशोर पटेल और लक्ष्मी नारायण पटेल ने पारंपरिक फसलों से हटकर इस सीजन में फसल चक्र में बदलाव किया। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सहयोग से दोनों किसानों ने 4 एकड़ के रकबे में उच्च गुणवत्ता वाली गुजरात तिल 6 (जीटी-6) किस्म की बोनी की। किसानों ने बताया कि धान, मक्का और उड़द की पारंपरिक खेती में उन्हें अक्सर कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था।



नव प्रदेश इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर। मध्यप्रदेश में आगामी छत्र संघ चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा अजय यादव को शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर जिले का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई सहित शहडोल संभाग के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अजय यादव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।अजय यादव वर्तमान में नगर परिषद बरगवां-अमलाई के वाई क्रमांक 9 के पार्षद हैं। नगर परिषद में भाजपा के बहुमत वाले सदन के बीच कांग्रेस की ओर से जीत दर्ज करने वाले प्रमुख

महादेव ने बालक को दिया गजानन रूप, कहलाए विघ्नहर्ता गणेश: ब्रह्मचारी चैतन्यानंद

नवप्रदेश/जबलपुर।

बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मढ़ताल, जबलपुर में चल रहे शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ एवं असंख्य रुद्धि निर्माण (पार्थिव शिवालिंग) के क्रम में भगवत् का हिंडोला पूजन, भगवान हरिहरेश्वर महादेव एवं पार्थिव शिवलिंग का महारुद्राभिषेक तथा बिल्वपत्र अर्चन किया गया। कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने भगवान गणेश के प्राकट्य की कथा सुनाते हुए कहा कि माता पार्वती ने उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसे द्वार पर पहर के लिए बैठाया। भगवान शिव के आगमन पर बालक ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इससे क्रोधित होकर भगवान शिव ने उसका सिर काट दिया। माता पार्वती के दुःख को देखकर भगवान शिव ने हाथों का सिर लगाकर बालक को पुनर्जीवित किया और उसे 'गणेश' नाम देकर

प्रथम पूज्य बनाया। उन्होंने कहा कि महगणेश निर्विघ्ना विघ्नहर्ता प्रहर्षिता-भगवान गणेश विघ्नों का नाश करने वाले हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार वे विघ्नों को दूर करने के साथ-साथ उनके निर्यात भी हैं। कथा में तारकासुर वध की कथा का वर्णन करते हुए ब्रह्मचारी चैतन्यानंद ने बताया कि तारकासुर को ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त था कि उसका वध केवल भगवान शिव के पुत्र के हाथों ही हो सकता है। उसके अत्याचार से क्रुत देवताओं की प्रार्थना पर भगवान शिव के तेज से कार्तिकेय का जन्म हुआ। छह कृतिकाओं द्वारा पालन-पोषण किए जाने के कारण वे कार्तिकेय कहलाए। कार्तिकेय ने तारकासुर का वध कर देवताओं की सेना का नेतृत्व किया। दक्षिण भारत में भगवान कार्तिकेय को मुरुगन के नाम से विशेष रूप से पूजा जाता है। उन्होंने भगवान गणेश और

कार्तिकेय के विवाह प्रसंग का भी विस्तार से वर्णन किया। जब दोनों विवाह योग्य हुए तो शिव-पार्वती ने शर्त रखी कि जो पहले पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा करके लौटेगा, उसका विवाह पहले होगा। कार्तिकेय अपने मोर पर सवार होकर ब्रह्मांड की परिक्रमा के लिए निकल पड़े, जबकि गणेश जी ने अपने माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती की परिक्रमा की। गणेश जी ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार माता-पिता के चरणों में ही समस्त लोक और तीर्थ विद्यमान हैं।शिव महापुराण कथा में आचार्य राजेंद्र शास्त्री, आदित्य त्रिपाठी, सुधा त्रिपाठी, अश्वित मिश्रा, रश्मि मिश्रा, नीता पटेल, सुरेश-सरिता कुरेले, अर्षा साहू, गोविन्द-प्रीति साहू, वामन-प्रतिक्षा सिंह, राधा शुक्ला, त्रय्या मिश्रा, आराधना चौकसे, मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छात्र संघ चुनाव की कमान: अजय यादव बने शहडोल-उमरिया-अनूपपुर के प्रभारी

नव प्रदेश इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर। मध्यप्रदेश में आगामी छात्र संघ चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा अजय यादव को शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर जिले का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।



पार्षदों में उनका नाम लिया जाता है। इससे पहले भी वे एनएसयूआई अध्यक्ष, जिला कांग्रेस किसान मोर्चा अध्यक्ष तथा अनूपपुर जिला जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अनुसार अजय यादव लंबे समय से संगठन के प्रति सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम करते आ रहे हैं। राजनीतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रियता को देखते हुए छात्र संघ चुनाव के लिए

तीन जिलों की जिम्मेदारी मिलना संगठन में उनके बढ़ते कद के रूप में देखा जा रहा है।अजय यादव के पिता अमृतलाल यादव भी कांग्रेस संगठन में महत्वपूर्ण दायित्वों पर रह चुके हैं। संगठनात्मक अनुभव और राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए अजय यादव लगातार कांग्रेस की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद बरगवां-अमलाई नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस पदाधिकारियों, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं सहित शहडोल संभाग के विभिन्न वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि अजय यादव के नेतृत्व में आगामी छात्र संघ चुनाव में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी और अधिक से अधिक युवाओं एवं विद्यार्थियों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का अभियान प्रभावी रूप से आगे बढ़ेगा।कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि अजय यादव को मिली यह जिम्मेदारी केवल संगठनात्मक नियुक्ति नहीं, बल्कि शहडोल संभाग के युवाओं और छात्र राजनीति में कांग्रेस की सक्रिय भूमिका को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

खाद्य लाइसेंस पर कार्रवाई के बाद दो बार के लाइसेंस भी निलंबित

इन्दौर। खाद्य अनुज्ञप्तियां निलंबित होने के बाद सायाजी होटल्स (इंदौर) लिमिटेड और सहस्त्र फूड्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के बार लाइसेंस भी निलंबित कर दिए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 31(1) के तहत दोनों लाइसेंस निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। संबंधित खाद्य अनुज्ञप्तियां बहाल होने तक अथवा 31 मार्च 2027 तक, इनमें से जो भी पहले हो, दोनों बार लाइसेंस निलंबित रहेंगे। दोनों प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के लिए गठित संयुक्त दल में डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वेस्टर्न जोन-2 के केंद्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा से संबंधित अनियमितताएं पाए जाने के बाद दोनों प्रतिष्ठानों की खाद्य अनुज्ञप्तियां निलंबित की गई थीं। आबकारी विभाग के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार बार अनुज्ञप्ति के लिए प्रतिष्ठान के पास खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत वैध खाद्य अनुज्ञप्ति होना अनिवार्य है। खाद्य अनुज्ञप्तियां निलंबित होने के बाद संबंधित बार अनुज्ञप्तियों की निर्धारित शर्तों का उल्लंघन पाया गया। इसी आधार पर आबकारी अधिनियम के तहत दोनों बार लाइसेंस निलंबित किए गए। 22 अगस्त को जारी आदेश क्रमांक 6199 और 6201 के तहत सायाजी होटल्स, एच-1, स्क्रीम नंबर 54, विजय नगर के होटल बार का एफएल-3 लाइसेंस क्रमांक 22/2022/0057 निलंबित किया गया है। वहीं सहस्त्र फूड्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड, 13/2 मेहता फार्म हाउस, बिचौली मर्दाना के रेस्तरां बार का एफएल-2 लाइसेंस क्रमांक 22/2022/0103 भी निलंबित किया गया है।

दोनों लाइसेंस संबंधित खाद्य अनुज्ञप्तियों के निलंबन की अवधि समाप्त होने तक अथवा 31 मार्च 2027 तक, इनमें से जो भी पहले हो, निलंबित रहेंगे। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि बार अनुज्ञप्ति की शर्तों अथवा निर्धारित वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जनस्वास्थ्य और आबकारी नियमों के अनुपालन को प्राथमिकता देते हुए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही गई है।

ट्रेन में यात्रियों का सामान चुराने वाले दो धाराएं

इन्दौर। जीआरपी एस्पी यशपालसिंह राजपूत ने ट्रेन में होने वाली वारदातों को रोकने के लिए सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं जिसके चलते जीआरपी पुलिस द्वारा अपराधियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम मे जीआरपी पुलिस ने रेल यात्रियों की अटैची चुराने वाले गुना के दो चोरों को गिरफ्तार किया। जीआरपी पुलिस के अनुसार अंबेडकर नगर-रीवा एक्सप्रेस के एक यात्री की कल रात अटैची चुराते गुना के महेश पारदी को यात्रियों ने रोहाथों पकड़ पुलिस के हवाले किया था उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर एक अन्य चोर चेतन विश्वकर्मा को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस इन दोनों चोरों से गहन पूछताछ कर इनका रिकॉर्ड भी खंगाल रही है ताकि पुरानी घटनाओं का भी खुलासा हो सके। फिलहाल पुलिस ने इनके पास से अटैची में 1500 रुपए, एक मोबाइल, कपड़े और दस्तावेज जब्त किए हैं।

युवक के साथ रहने आई युवती का शव मिला, युवक फरार

इन्दौर। एक सनसनीखेज मामले में उस समय हड़कंप की स्थिति बन गई जब एक युवती का शव उसके कमरे में मिलने की सूचना मिली। युवती एक युवक के साथ कुछ दिनों पहले ही वहां रहने आई थी। मामला बेटमा थाना क्षेत्र का है और फिलहाल मृतक युवती के साथ का युवक फरार बताया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस हत्या या आत्महत्या दोनों पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र की जीवन ज्योति कॉलोनी में एक युवती का शव मिलने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। युवती की पहचान पिंकी काछी उम्र उन्तीस साल निवासी जार्मनिया (सागर) के रूप में हुई है। उसका शव फूला हुआ था। आश्चंका है कि शव दो से सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस को पिंकी के पास से परेशान करने का पत्र मिला है।

25 साल से कम उम्र के अपराधियों से भरवाया डोजियर

इन्दौर। शहर में अपराधों की रोकथाम और अपराधियों पर अंकुश लगाने तथा उन्हें सुधारने हेतु पुलिस समग्र-समय पर थानों में अपराधियों को हाज़िर कर उसे डोजियर सवाती है। इसी क्रम में ज़ोन-3 में हीरागगर थाना क्षेत्र के 25 से अधिक ऐसे अपराधियों जिन्की उम्र 25 साल से कम है को नोटिस देकर बुला एडीसीपी ओमप्रकाश ने उनको अपराध न करने की समझादेश दी और शपथ दिलावाई कि अब अपराध नहीं करेंगे और यदि कोई क्षेत्र में अपराध करता है तो उसकी सूचना पुलिस को देंगे।

सुरक्षित बचपन और जिम्मेदार नागरिकता की ओर सृजन संवाद की पहल

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर में पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित सृजन संवाद योजना के तहत शनिवार को सांदीपनि स्कूल में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, कानूनों एवं व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना रहा। पुलिस अधीक्षक महेश अवधेश प्रताप सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में एसडीओपी अमरपाटन सुश्री ख्याति मिश्रा ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए भारतीय संविधान, बाल अधिकार,



किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए बिना हेलमेट वाहन चलाने, दीपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाने तथा नाबालिग अवस्था में वाहन चलाने से होने वाले कानूनी एवं व्यावहारिक दुष्परिणामों के बारे में समझाया। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ-साथ अपने परिवार एवं मित्रों को भी इसके लिए

प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक साधना कटेल ने बाल संरक्षण एवं पॉक्सो एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि कम उम्र में लिए गए गलत निर्णय उनके भविष्य, शिक्षा एवं परिवार पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार, दबाव, प्रलोभन अथवा शोषण की स्थिति में चुप न रहने तथा विश्वसनीय अभिभावक, शिक्षक अथवा पुलिस से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया

गया। साइबर सुरक्षा के संबंध में विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने, अनजान लिंक एवं संदिग्ध मैसेज से बचने, निजी जानकारी एवं पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं करने तथा ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाने की जानकारी दी गई। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने और अपने साथियों को भी नशे से बचाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का भी समाधान किया

गया। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि कानून की जानकारी केवल अपराध से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपने अधिकारों को समझने और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए भी आवश्यक है। अंत में विद्यार्थियों को शिक्षा एवं अपने भविष्य के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुशासित, संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छतरपुर में तीन सगी बहनों की संदिग्ध मौत, दफनाने के बाद कब्र से निकलवाए शव

छतरपुर।

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र के पिपौरा गांव में एक ही परिवार की तीन सगी बहनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है ।

शनिवार सुबह कुछ ही समय के अंतराल में तीनों की तबीयत बिगड़ी और करीब एक घंटे के भीतर उनकी मौत हो गई। परिजनों ने अंतिम संस्कार कर तीनों को दफना दिया था। बाद में पुलिस को सूचना मिलने पर प्रशासन ने कब्रे खुदवाकर शव बाहर निकलवाए और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे। मौत की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। मृत बच्चियों की पहचान पूनम कुशवाहा (9), मनीषा कुशवाहा (5) और चाहत कुशवाहा (9 माह) के रूप में हुई है। उनके पिता बालमकुंद कुशवाहा खेती-किसानी करते हैं। परिवार के मुताबिक, शुक्रवार रात घर में बैंगन का भरता और रोटी बनी थी। पूनम और मनीषा ने खाना खाया था, जबकि नौ माह की चाहत ने खाना नहीं खाया और मां का दूध पीया था। परिवार के अन्य सदस्यों की तबीयत सामान्य बताई गई है।

सुबह उल्टी के बाद बिगड़ी हालत, एक के बाद एक मौत

परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 7 बजे के बाद सबसे पहले पूनम की तबीयत बिगड़ी। उसे उल्टी हुई और परिजन अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके बाद मनीषा की हालत खराब हुई। उसे अस्पताल ले



जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नौ माह की चाहत की तबीयत बिगड़ने पर परिजन पहले उसे ड्राइ-फूंक के लिए ले गए। बाद में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। तीनों बच्चियों की मौत के बाद परिजनों ने शवों को पनौठ गांव में दफना दिया।

सरपंच की सूचना पर पहुंची पुलिस

तीनों बच्चियों को दफनाए जाने की जानकारी सरपंच के माध्यम से पुलिस को मिली। मातगुवां थाना प्रभारी अंकुर चौबे के अनुसार, सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन की मौजूदगी में तीनों कब्रों को खुलवाकर शव बाहर निकाले गए। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए छतरपुर भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम के दौरान बिसरा सैपल भी लिए जाएंगे, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग और एफएसएल की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच

की। टीम ने घर में बने भोजन के सैपल लिए हैं। इन सैपल की जांच के साथ पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और बिसरा रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

पांच बेटियों में तीन की मौत

परिजनों के मुताबिक, रामकुंवर कुशवाहा की शादी ईशानगर क्षेत्र के पनौठ गांव निवासी बालमकुंद से हुई थी। शादी के बाद दोनों पिपौरा खुर्द में रहने लगे। दंपती की पांच बेटियां हैं। मृत पूनम, मनीषा और चाहत क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर की बेटियां थीं।

फूड पॉइजनिंग की पुष्टि नहीं, जांच रिपोर्ट का इंतजार: सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता ने बताया कि तीनों बच्चियों की तबीयत शनिवार सुबह अचानक बिगड़ी थी। फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमॉर्टम, बिसरा और भोजन के सैपल की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। एएसपी आदित्य पटेल के मुताबिक, पुलिस और एफएसएल टीम मामले के

कटरा बाजार में राखी की दुकान सजाते समय फैला करंट, व्यापारी की मौत

सागर।

मध्य प्रदेश के सागर में प्रसिद्ध कटरा बाजार स्थित नमक मंडी क्षेत्र में रक्षाबंधन पर्व की तैयारियों के बीच शनिवार को राखी की अस्थाई दुकान तैयार कर रहे 45 वर्षीय व्यापारी विजय जैन (उर्फ कक्का जी) बिजली के करंट की चपेट में आ गए ।



हादसे में उनकी जान चली गई, जिससे पूरे बाजार क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और लोहार की तैयारियां मातम में बदल गई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जानकारी के अनुसार, बड़ा बाजार निवासी विजय जैन नमक मंडी में अपनी अस्थाई दुकान का स्ट्रक्चर खड़ा कर रहे थे। दुकान बनाने समय इस्तेमाल किया

जा रहा लोहे का पाइप पास से गुजर रही बिजली की लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे दुकान में तेज करंट फैल गया।

करंट का झटका इतना जोरदार था कि इसकी चपेट में आने से विजय जैन वहीं गिर पड़े। बताया जा रहा है कि करंट का प्रभाव आसपास की 2 से 3 अन्य अस्थाई दुकानों तक भी पहुंच गया था। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और साथी व्यापारियों ने तत्परता दिखाते हुए

उन्हें इलाज के लिए भाग्योदय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। वहीं, व्यापारी की मौत की खबर फैलते ही कटरा बाजार में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी एकांत्रित हो गए। व्यापारियों ने इस हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए बिजली व्यवस्था और सुरक्षा मानकों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लोहारों के सीजन में कटरा बाजार जैसे व्यस्त इलाकों में बड़ी संख्या में अस्थाई दुकानें लगती हैं। ऐसे में बिजली विभाग और प्रशासन को तातों की सुरक्षा तथा बिजली सप्लाई के पुष्टा इंतजाम करने चाहिए, ताकि इस तरह के जानलेवा हादसों को रोका जा सके। फिलहाल पुलिस घटना के वास्तविक कारणों की जांच में जुटी हुई है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया राखी मेले का शुभारंभ

स्व-सहायता समूहों की दीदियां आकर्षक राखियों सहित लेकर आई हैं एक से बढ़कर एक उत्पाद

ग्वालियर।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिला प्रशासन द्वारा स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभागीय ग्रामीण हाट बाजार में राखी मेले का आयोजन किया जा रहा है ।



शनिवार को जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गाश कुंवर सिंह जाटव एवं जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत ने इस मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत की उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह भी मौजूद थीं।

समूहों की दीदियों द्वारा तैयार की गई राखियां एवं अन्य जनउपयोगी वस्तुएं नागरिकों को किफायती दाम पर उपलब्ध कराई जा रही है। जिला पंचायत की अध्यक्ष दुर्गाश कुंवर सिंह जाटव ने स्व-सहायता समूहों की दीदियों से समूह की दीदियों द्वारा तैयार

किए गए उत्पादों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्वालियर जिले में स्व-सहायता समूह की दीदियां बहुत ही अनुकरणीय कार्य कर रही हैं। इस प्रकार के मेलों से स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहन मिलता है और लोगों को अच्छे उत्पाद भी प्राप्त होते हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने कहा कि जिले में स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को न केवल जिले में बल्कि प्रदेश स्तर पर भी सराहा गया है। राखी मेले का आयोजन की महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिये किया गया है।

छतरपुर में तीन सगी बहनों की संदिग्ध मौत, दफनाने के बाद कब्र से निकलवाए शव

छतरपुर।

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र के पिपौरा गांव में एक ही परिवार की तीन सगी बहनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है।

शनिवार सुबह कुछ ही समय के अंतराल में तीनों की तबीयत बिगड़ी और करीब एक घंटे के भीतर उनकी मौत हो गई। परिजनों ने अंतिम संस्कार कर तीनों को दफना दिया था। बाद में पुलिस को सूचना मिलने पर प्रशासन ने कब्रे खुदवाकर शव बाहर निकलवाए और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे। मौत की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। मृत बच्चियों की पहचान पूनम कुशवाहा (9), मनीषा कुशवाहा (5) और चाहत कुशवाहा (9 माह) के रूप में हुई है। उनके पिता बालमकुंद कुशवाहा खेती-किसानी करते हैं। परिवार के मुताबिक, शुक्रवार रात घर में बैंगन का भरता और रोटी बनी थी। पूनम और मनीषा ने खाना खाया था, जबकि नौ माह की चाहत ने खाना नहीं खाया और मां का दूध पीया था। परिवार के अन्य सदस्यों की तबीयत सामान्य बताई गई है।

सुबह उल्टी के बाद बिगड़ी हालत, एक के बाद एक मौत: परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 7 बजे के बाद सबसे पहले पूनम की तबीयत



बिगड़ी। उसे उल्टी हुई और परिजन अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके बाद मनीषा की हालत खराब हुई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नौ माह की चाहत की तबीयत बिगड़ने पर परिजन पहले उसे ड्राइ-फूंक के लिए ले गए। बाद में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। तीनों बच्चियों की मौत के बाद परिजनों ने शवों को पनौठ गांव में दफना दिया।

सरपंच की सूचना पर पहुंची पुलिस: तीनों बच्चियों को दफनाए जाने की जानकारी सरपंच के माध्यम से पुलिस को मिली। मातगुवां थाना प्रभारी अंकुर चौबे के अनुसार, सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन की मौजूदगी में तीनों कब्रों को खुलवाकर शव बाहर

निकाले गए। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए छतरपुर भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम के दौरान बिसरा सैपल भी लिए जाएंगे, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग और एफएसएल की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। टीम ने घर में बने भोजन के सैपल लिए हैं। इन सैपल की जांच के साथ पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और बिसरा रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। **पांच बेटियों में तीन की मौत:** परिजनों के मुताबिक, रामकुंवर कुशवाहा की शादी ईशानगर क्षेत्र के पनौठ गांव निवासी बालमकुंद से हुई थी। शादी के बाद दोनों पिपौरा खुर्द में रहने लगे। दंपती की पांच बेटियां हैं। मृत पूनम, मनीषा और चाहत क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर की बेटियां थीं।

छत्तीसगढ़ के दिमागी नक्सली की काली करतूत



इस साल स्वतंत्रता दिवस छत्तीसगढ़ के लिए खास रहा। नक्सली हिंसा से मुक्त होने के बाद आदिवासी बहुल बस्तर में पहली बार विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसका नेतृत्व खुद प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने किया और पूरी आन, बान और शान के साथ कभी नक्सलियों का अभेद्य गढ़ कहे जाने वाले क्षेत्र में तिरंगा फहराया। आजादी का यह जश्न छत्तीसगढ़ के दिमागी नक्सलियों को रास नहीं आया। सोशल मीडिया पर अराजक तत्वों ने कुरुद में भाजपा के एक कार्यक्रम में फहराए गए भगवा ध्वज का वीडियो इस दावे के साथ वायरल कर दिया कि वहां के भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने स्वाधीनता दिवस पर तिरंगे की जगह भाजपा का झंडा फहराया है। इस फेक न्यूज और वीडियो को कांग्रेस मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत और कथित लोक गायिका नेहा राठौड़ ने शेयर कर लिया। नतीजतन, अजय चंद्राकर ने इन सबके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। अब इन दिमागी नक्सलियों के दिमाग ठिकाने लगने लगेंगे। और नहीं तो, कम से कम तेज-तरार विधायक अजय चंद्राकर से तो पंगा मोल लेने की हिमाकत तो कतई नहीं करेंगे।

सुरक्षा के बदले सद्ग साम्राज्य का राज!

सौरभ चंद्राकर अब भारत लौटने से पहले सुरक्षा मांग रहे हैं और साथ में सद्ग साम्राज्य के राज खोलने का दावा भी कर रहे हैं। गजब है साहब! जब करोड़ों का खेल चल रहा था, तब सुरक्षा और कानून की चिंता शायद डायरी के आखिरी पन्ने पर थी। अब सलाखें सामने दिखीं तो परिवार की सुरक्षा, अलग बैक और व्यायक निगरानी सब याद आ गया। दावा है कि राजनीतिक नेकेशन, हवाला, बेनामी संपत्तियों और नेटवर्क के बड़े किरदारों के नाम बताएंगे। यानी जिस तिजोरी में राज बंद है, उसकी चाबी भी इन्हीं के पास होने का दावा है। सवाल बस इतना है—इतने राज पहले क्यों नहीं खोले? अब यह सच का खुलासा है या बचाव की रणनीति, इसका फैसला बयान नहीं, सबूत करेंगे। पर्दा उठेगा तो पता चलेगा कि खेल में खिलाड़ी कितने थे और संरक्षण किसका था।



राशन कार्ड में देरी, साहब पर जुर्माना!

राशन कार्ड में नाम सुधारने में 30 दिन लग गए तो तिलदा सीएमओ पर पूरे 100 रुपए का जुर्माना ठेक दिया गया। अब सवाल यह है कि 100 रुपए देखकर बाबू की नौद खुलेगी या फाइल की? जनता महीनों दफ्तरों के चक्कर काटती है, कभी बाबू नहीं मिलता, कभी साहब मीटिंग में होते हैं और कभी फाइल ऐसी जगह घूमती है, जैसे तीर्थयात्रा पर निकली हो। लेकिन इस बार कलेक्टर ने याद दिला दिया कि सरकारी कुर्सी सिर्फ बैठने के लिए नहीं, जिम्मेदारी निभाने के लिए भी होती है। लोक सेवा गारंटी कानून का मतलब यही है कि जनता का काम समय पर हो, न कि आवेदन सरकारी अलमारी में तपस्या करता रहे। बायोमेट्रिक हाजिरी, लॉबित प्रकरण और योजनाओं की समीक्षा भी हुई। अब देखना यह है कि 100 रुपए का यह जुर्माना व्यवस्था को जगाता है या अगली फाइल फिर खरंटे लेने लगती है!



महासमुंद को एक बार फिर मिली राष्ट्रीय पहचान

छत्तीसगढ़ के महासमुन्द लोकसभा क्षेत्र से पहली बार निर्वाचित भाजपा सांसद रुप कुमार चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से एक बार फिर महासमुन्द को राष्ट्रीय पहचान मिली है। इसके पूर्व स्व. विद्याचरण शुक्ल महासमुन्द से लगातार चुनाव जीतकर केन्द्रीय मंत्री बनते रहे। यहां से निर्वाचित स्व. पवन दीवान और स्व. अजीत जोगी ने भी महासमुन्द का मान बढ़ाया था लेकिन पहली बार एक महिला सांसद रुप कुमार चौधरी ने इसके राज मुकुट पर मोर पंख लगाया है। इससे महासमुन्द क्षेत्र के लोग तो गर्व कर ही रहे हैं छत्तीसगढ़ की आधी आबादी भी गौरवान्वित हुई है क्योंकि राष्ट्रीय भाजपा महिला मोर्चा की कमान तीसरी बार छत्तीसगढ़ की किसी महिला नेत्री को मिली है। अब प्रदेश की नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों की महिला जन प्रतिनिधियों में उम्मीद की किरण जागी है कि उन्हें स्वतंत्र रुप से काम करने का अवसर मिलेगा। वे सही मायनों में राजनीतिक रुप से सशक्त हो पाएंगी। देखना दिलचस्प होगा कि नगरीय निकायों और पंचायत क्षेत्र के लोगों पी भी अर्थात पार्षद पति व पंच पति से मुक्ति मिल पाती है या नहीं।



अंग्रेजी माध्यम शालाओं के कर्णधारों की पेशानी पर बल



है, तो वे क्या ही विद्यार्थियों से गवा पाएंगे? यदि इसमें कोई त्रुटि हुई, तो राष्ट्रीय की अवमानना के मामले में नप जाएंगे। अंग्रेजी माध्यम शालाओं के हिंदी शिक्षक, जिनका हिंदी भाषा में ही हाथ तंग है, वे अब खुद अपनी (भाषा) सुधारने की कवायद कर रहे हैं।

नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली कहावत को चरितार्थ करने वाले और गली-गली में कुकुरमुत्तों की तरह उगने वाले स्वनामधन्य अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के कर्णधारों की पेशानी पर बल पड़ गया है। इसकी वजह है संसद में पारित नया कानून, जिसके तहत अब राष्ट्रीयत 'वंदे मातरम्' के पूरे छह पद गाना अनिवार्य कर दिया गया है। अंग्रेजी माध्यम शालाओं में 'वंदे मातरम्' के छह पद खुद हिंदी के शिक्षकों के लिए गाना मुश्किल है, तो वे क्या ही विद्यार्थियों से गवा पाएंगे? यदि इसमें कोई त्रुटि हुई, तो राष्ट्रीय की अवमानना के मामले में नप जाएंगे। अंग्रेजी माध्यम शालाओं के हिंदी शिक्षक, जिनका हिंदी भाषा में ही हाथ तंग है, वे अब खुद अपनी (भाषा) सुधारने की कवायद कर रहे हैं।

आरोपी पकड़ा, खुद सस्पेंड होकर लौटे!



कोरबा पुलिस 50 करोड़ की ठगी के आरोपी को पकड़ने निकली थी, मगर लौटते-लौटते खुद कार्रवाई की गिरफ्त में आ गई। मामला ऐसा कि अपराधी दिल्ली में था, पुलिस के पास ट्रेन का नियम था और मन में हवाई जहाज। टीम ने सोचा होगा—50 करोड़ की ठगी का आरोपी है, उसे पकड़ने ज़रूरत डिव्हे में थोड़े जाएंगे! लिहाजा फ्लाइट पकड़ी, और बताया गया कि टिकट का खर्च भी उसी पीड़ित ने उठया, जिसका पैसा पहले ही ठगा जा चुका था। यानी पीड़ित पहले ठगों से लुटा, फिर आरोपी पकड़ाने में पुलिस की हवाई यात्रा का कथित खर्च भी उठा गया। पुलिस आरोपी को पकड़कर विजयी भाव से लौटी, लेकिन आईजी ने टिकट देखकर पूरा उसाह उतार दिया। टीआई समेत 8 निर्लंबित हो गए। अब सीख यही है—पुलिसिंग में आरोपी का लोकेशन ही नहीं, अपना 'ट्रैवल मोड' भी नियमों के दायरे में होना चाहिए।

बाजार, कालोनियां, दफ्तर सब हो गये पानी-पानी

फिलहाल बारिश रुकने के मूड में नहीं: 24 घंटे में ढाई इंच बारिश

नवप्रदेश/जबलपुर।

बारिश फिलहाल रुकने के मूड में नहीं है। पिछले 24 घंटों से जबलपुर में पानी की झड़ी लगी हुई है। बीच-बीच में थमकर हो रही बारिश ने पूरे शहर की गलियों को तालाब की शक्ल में बदल दिया है। शहर के पॉश इलाके हों या तंग बस्तियां।

मुख्य बाजार हों या कालोनियां, सरकारी दफ्तर हों या स्कूल। नर्मदा का पानी भी घाटों के ऊपर चढ़ चुका है और सड़क तक आ पहुंचा है। घाटों पर कीचड़ से फिसलन रिस्क भरी हो गई है। बरगी बांध का जलस्तर भी बढ़ है। वहीं कई कालोनियां ऐसी हैं, जहां इतना पानी भरा है कि लोगों का निकलना

मुश्किल हो गया है। उधर मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों के दौरान भारी वर्षा हो सकती है। जबलपुर में शुक्रवार की रात से शुरू हुई बारिश का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। बीते 24 घंटों में लगभग ढाई इंच बारिश के बाद भी बारिश की झड़ी जारी रही। नदी नाले उफान पर हैं। पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र केन्द्रित है। लिहाजा अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है।

लगातार वर्षा के कारण शहर जलमग्न हो गया है। बाढ़ निर्यन्त्र कक्ष असहाय साबित हो रही है। शहर की निचली बस्तियां बल्लेबाग, उखरी मार्ग, गुजराती कालोनी, चेरीताल, दीक्षितपुरा, राईट टाउन, विजय नगर, एमआर फोर, वसुंधरा कालोनी, अमखेरा बस्ती, न्यू रामनगर, जानकी नगर, सरस्वती कालोनी, बजरंग नगर, करमेल, मनमोहन नगर, विजय नगर, दमोहनका, गोपालबाग, रद्दी चौकी, शाही नाका, भंवरताल, आमनपुर, शिवनगर, मदनमहल अंडरब्रिज आदि



जगहों पर दो-दो फुट पानी भरा हुआ है। लोगों के घरों में पानी प्रवेश कर रहा है। खासकर दुपहिया वाहन मोपेड निकलना मुश्किल हो गया है।

बरगी बांध का जलस्तर बढ़ा

पिछले 72 घंटों से हो रही अनवरत

वर्षा के कारण बरगी बांध का भी जलस्तर बढ़ा है। धीरे-धीरे बांध का जलस्तर एक मीटर बढ़ गया। शनिवार की शाम 5.30 बजे तक बांध का जलस्तर 421.5 मीटर पहुंच गया था। बांध की कुल जलभराव क्षमता 422 मीटर है। इस समय बांध के 13 गेट खुले हुए हैं और बांध में इस समय 2285 क्यूमेक पानी प्रति सेकंड प्रवेश

हाईकोर्ट बार की कार्यकारिणी में अतुल द्विवेदी निर्वाचित, समर्थकों ने किया स्वागत

नवप्रदेश/जबलपुर।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव की मतगणना में कार्यकारिणी सदस्य पद पर अतुल द्विवेदी ने 762 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। मतगणना परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों और साथी अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल बन गया।

परिणाम सामने आने के बाद अधिवक्ता सचिन जैन, प्रशांत नायक, एडवोकेट अभिषेक, एडवोकेट अतुल सिंघरा, एडवोकेट सृजन साहू, एडवोकेट आयुष उपाध्याय, एडवोकेट, मनोज कुशवाहा, सहित अन्य अधिवक्ताओं ने अतुल द्विवेदी का स्वागत किया और उन्हें जीत की बधाई दी। समर्थकों ने कहा कि अतुल द्विवेदी की जीत अधिवक्ताओं के विश्वास की जीत है। स्वागत के



दौरान साथी अधिवक्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे बार और अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे।

चालीसा व्रत महोत्सव पर 108 मीटर का पवित्र अंगवस्त्र अर्पित

जबलपुर। आस्था और श्रद्धा का अनुपम संगम रविवार को झुलेलाल मंदिर परिसर में देखने को मिला। अवसर था भव्य चालीसा व्रत महोत्सव का, जिसमें भक्तगणों ने पूरे उल्लास और भक्ति भाव से भाग लिया। इस पावन अवसर पर मंदिर समिति की ओर से 108

मीटर लंबा पवित्र अंगवस्त्र झुलेलाल साईं को अर्पित किया गया। यह अर्पण सांभूतिक श्रद्धा, अखंड विश्वास और सनातन संस्कृति के गौरव का प्रतीक बन गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा विशाल 108 मीटर अंगवस्त्र। आयोजकों के अनुसार 108 का अंक हिन्दू परंपरा में विशेष स्थान रखता है। जपमाला की 108 मनकियां हों या मंदिर शिखरों पर 108 कलश—यह संख्या पूर्णता और ब्रह्मदीय ऊर्जा का द्योतक है। आयोजन समिति के मोतीलाल पारवानी उद्भवदास पारवानी, दिलीप तलरेजा, रामचंद्र आहूजा, रमेश आहूजा, राजकुमार काधारी, दिलीप बुधरानी, श्रीचंद मध्यानी, कैलाश वासवानी, धर्मद मंगलानी, त्रिलोक वासवानी, सोनू लालवानी लक्ष्मीचंद खेमानी, उमेश पारवानी गोविन्द हीरानी, प्रकाश आहूजा, प्रकाश आसवानी, राजा सावलानी, विजय पंजवानी, हरीश आहूजा, बिहू हीरानी, सुनील हासवानी, गोपीचन्द्र खत्री सभी अनुष्ठान में शामिल हुए।

